



वरिष्ठ

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

हैं। कई चीजें होती हैं इसमें। एग्जाम देने के समय आपकी स्थिति, कॉपी चेक करने के समय एग्जामिनर की मनोस्थिति, सब चीजें सामने रहती हैं। अब आपके मार्क्स थोड़े कम आ गए, कई बच्चे बिल्कुल उदास हो जाते हैं, कइयों को तो हमने यह सौचते और कहते देखा कि इतनी

यूनिवर्सिटी फेमस होती थी, वेल नॉन थी वो एशिया में नम्बर वन। उसमें बहुत बच्चे जाना चाहते थे। हमारे से सीनियर एक हमारे ही साथी थे लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बीएससी में एडमिशन ले लिया। हमारे यहां यूपी में बीएससी का कोर्स दो साल का था उन दिनों।

मन पॉवरफुल और बुद्धि अच्छी होगी तो हार-जीत दोनों को स्वीकार करेंगे

हर मनुष्य जीवन में खुशी, शांति, प्रेम, सफलता और सहजता चाहता है। सब कुछ सहज प्राप्त हो जाए, जीवन ईजी हो जाए इसके लिए मन में सुंदर, श्रेष्ठ, पॉजिटिव संकल्पों का चलना परम आवश्यक है क्योंकि अगर कोई व्यर्थ संकल्पों में बहुत रहता है तो उसके मन की शक्तियां क्षीण होती हैं, ब्रेन कमजोर पड़ता है, उसके चारों ओर का और बहुत निर्बल हो जाता है। इसका प्रभाव जीवन की सफलता पर, एग्जाम्स पर, कॉम्पटीशन पर या भविष्य में जो हम अपना करियर बहुत अच्छा बनाना चाहते हैं उस पर पड़ता है। आज हम विद्यार्थियों की यह समस्या ले रहे हैं। अब विद्यार्थी काल एक ऐसा काल होता है जब उसके अंदर बहुत मेच्योरिटी तो नहीं होती, कोई भी चीज उस पर ज्यादा इफेक्ट कर देती है। वह किसी भी तरफ बहने लगता है, उसके पास अपना विवेक बहुत ज्यादा नहीं होता। यद्यपि कई स्टूडेंट अपने को बहुत समझदार, बुद्धिमान, मेच्योर भी समझते हैं परंतु ऐसा होता नहीं। 20-22 साल की आयु तक मनुष्य बहुत कुछ सीखता ही जाता है और उसे सीखते ही रहना चाहिए। अपनी गलतियों से सीख लेना चाहिए, अपनी हार से भी सीख लेना चाहिए। तो पहली एक बात हम ले रहे हैं, एक विद्यार्थी अपने एग्जाम में सरटेन परसेंटेज लाना चाहता है। बहुत मेहनत करता है। सबको पता है यह बच्चा बहुत होशियार है, यह लड़की बहुत होशियार है और इतने मार्क्स तो इसके आने ही चाहिए। लेकिन मान लो थोड़े-बहुत कम रह जाते

मेहनत की, कुछ नहीं मिला, बेकार है सब कुछ। भगवान भी हमारी नहीं सुनता, देखा! फलाने-फलाने जो हमसे जूनियर थे या कम होशियार थे, वो इतना अच्छा कर गये और हम नहीं कर पाये। उनको ये भी लगता है कि समाज में हमारी बदनामी होगी। ऐसा होता नहीं है।

विद्यार्थियों को एक चीज जरूर सीख लेनी चाहिए... अपने टारगेट तो बहुत हाइएस्ट रखने ही चाहिए, मेहनत भी अच्छी करनी चाहिए, एक्स्पेक्टेड सदैव बहुत सुंदर होने चाहिए पढ़ाई में, लेकिन जो कुछ प्राप्त हो जाए किसी भी कारण या अकारण से, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ना ही चाहिए।

हमें एक चीज अपने जीवन में सीख लेनी चाहिए, वह है कि हमें अपने टारगेट तो बहुत हाइएस्ट रखने ही चाहिए, मेहनत भी अच्छी करनी चाहिए, एक्स्पेक्टेड सदैव बहुत सुंदर होने चाहिए पढ़ाई में, लेकिन जो कुछ प्राप्त हो जाए किसी भी कारण या अकारण से, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ना ही चाहिए। अब यह नहीं हुआ, फिर होगा। मैंने स्टूडेंट्स को देखा था अपने साथियों को, इंजीनियरिंग में उनका सिलेक्शन नहीं हुआ। हमारे यहां रुड़की

पहले साल में होते फिर उन्होंने कॉम्पटीशन दिया, सिलेक्शन हो गया। बहुत अच्छी स्थिति रही। हार नहीं मानना चाहिए। ऐसे अनेक विद्यार्थियों की बातें हैं। कोचिंग करते हैं, एक साल नहीं होता तो दूसरे साल करते हैं, हो ही जाते हैं। अपने को पॉजिटिव रखना, अपने को सदैव खुशी में रखना, होपफुल होकर रहना यह जीवन में बहुत आवश्यक है। नहीं तो समय की धारा ऐसी है, इफेक्ट ऑफ द टाइम, इफेक्ट ऑफ द पीरियड वो ऐसा होता है कि मनुष्य को निगेटिव दिशा में ले जाता है। परंतु उससे हमारा बहुत नुकसान होता है।

सभी विद्यार्थियों को विशेष रूप से यह गुद्दा बात ध्यान में रखनी है कि मन में यदि संकल्पों का तूफान चलता रहेगा तो बुद्धि की शक्ति कमजोर पड़ती जाएगी। और फिर एजुकेशन को, ज्ञान को, पढ़ाई को जो धारण करती है वह है हमारी बुद्धि, इसमें क्या होता है फिर एग्जाम के समय नर्वस होते हैं। रिजल्ट आ रहा है तो भी बहुत परेशान रहते हैं। दो-चार दिन पहले से ही, पता नहीं क्या होगा, यह होगा, वह होगा, उल्टे-सीधे व्यर्थ संकल्पों से अपनी खुशी को गुम कर लेते हैं। लेकिन अगर मन भी पॉवरफुल होगा और बुद्धि भी बहुत अच्छी होगी तो हम हार-जीत, सफलता-असफलता दोनों को स्वीकार करके आगे बढ़ेंगे। न एग्जाम के समय नर्वस होंगे, न रिजल्ट आने के दिन परेशान होंगे। सभी विद्यार्थी ध्यान दें कि निराशा को अपने द्वार पर नहीं आने दें। सदैव पॉजिटिव रहेंगे, चैलेंजेज से जुझने का बल अपने पास रखेंगे, हार मान कर बैठ नहीं जाएंगे, यह सुंदर संकल्प रखेंगे तो विजय, सफलता निश्चित आपके चरण चूमेगी।



घमापुर-जबलपुर(म.प्र.)। राजयोगिनी ब्र.कु. वर्षा बहन के सानिध्य में रामायण, महाभारत, गीता पर आधारित गीता ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन के कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री अंचल सोनकर, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. साधना बहन, ब्र.कु. जया बहन, ब्र.कु. रजनी बहन, सुशील जाट, राजेन्द्र भाई एवं कोमल चन्द भाई।



पचोर-राजगढ़(म.प्र.)। श्रमजीवी पत्रकार संघ, पचोर जिला इकाई राजगढ़, मीडिया कर्मियों ने ब्रह्माकुमारी बहनों का सम्मान किया एवं प्रशिक्षित पत्र प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद रोडमल नागर, प्रदेश सचिव कांग्रेस नीलू दुबे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश पुरोहित, अध्यक्ष विकास करोड़िया, नगर परिषद उपाध्यक्ष रामभरोसा यादव तथा अन्य गणमान्य लोग व पत्रकार बंधु मौजूद रहे।



केशोद-गुज. ब्रह्माकुमारीज एवं आईसीडीएस जूनागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'स्वास्थ्य शिविर' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत की सदस्य धर्मिष्ठा कमाण्णी, आंगनवाड़ी तालुका सुपरवाइजर कंचन गजेरा, डॉ. दश्या बहन, हेल्थ सुपरवाइजर रमेश गोधासरा, योगाचार्य दुयंत मोदी, ब्र.कु. रूपा बहन तथा अन्य।



मुम्बई-घाटकोपर। ब्रह्माकुमारीज के योग भवन, घाटकोपर सबजोन द्वारा इंडियन नेवी के नेवल स्टोर डीपो में 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर ब्र.कु. जागृति बहन, योगा एंड वेलनेस एक्सपर्ट एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. प्रमिला बहन, एक्स बार्क साइटिस्ट ने विभिन्न सत्रों को सम्बोधित किया। इस मौके पर कर्मांडर प्रणव जोशी, मटेरियल ऑर्गनाइजेशन, मुम्बई एमओ-एमबी तथा लगभग 100 डिफेंस सिविलियन्स उपस्थित रहे।



छोटा उदेपुर-गुज. दरबार हॉल में भाजपा सरकार द्वारा विश्व महिला दिवस के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रभारी श्रीमति जिज्ञासा बहन पटेल, जिला पंचायत प्रमुख श्रीमति मलका बहन पटेल, जिला भाजपा प्रमुख उपेंद्र भाई राठवा, पूर्व प्रमुख जसू भाई राठवा, जिला महिला मोर्चा प्रमुख श्रीमति सज्जन बहन राजपूत, जिला सीआरडी कमांडर श्रीमति लीला बहन राठवा आदि के द्वारा श्रीमति डिम्पल बहन सोनी, डायरेक्टर सनराइज इंग्लिश मीडियम स्कूल छोटा उदेपुर, श्रीमति सोनल बहन देसाई, डीजीपी, ब्र.कु. डॉ. मोनिका बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्रह्माकुमारीज, मंजुला बहन राठवा, प्रेस रिपोर्टर अभिनंदन न्यूज आदि 10 विशिष्ट महिलाओं को 'सुषमा स्वराज अवॉर्ड-2023' से सम्मानित किया गया।

अम्बिकापुर-सरगुजा(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर सरगुजा पुलिस प्रशासन एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे 'नवा बिहान अभियान' के तहत सामाजिक संस्थाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। जिसमें सरगुजा जिले की पुलिस



और सामाजिक संस्थाओं की एकजुटता और शासकीय योजनाओं में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा हुई। इस बैठक में जिले के एडिशनल एस.पी. विवेक शुक्ला, समाजसेवी वंदना दत्ता, धरोहर संस्था के सुरेंद्र तिवारी, राइड संस्था के अनिल द्विवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता अभय नारायण पाण्डेय, नव युवा जागरण प्रतिष्ठान के सचिव राणा प्रताप सिंह, चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के निदेशक मंगल पांडेय, छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान के मुख्य कार्यकारी अनिल कुमार मिश्रा, उमाशंकर पाण्डेय सहित विभिन्न संस्थाओं से पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज की ओर से ब्र.कु. कल्पना बहन ने सामाजिक न्याय विभाग में जाकर सभी अधिकारियों को जागरुक होकर अपना कार्य करने की विधि बताई। तत्पश्चात् ब्र.कु. रजनी बहन व ब्र.कु. मोहिनी बहन द्वारा सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।



नवी मुम्बई-ऐरोली। ब्रह्माकुमारीज द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर चिंचावली उद्यान में प्रातःकालीन आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीना दीदी ने सभी को कॉमेन्ट्री द्वारा राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस मौके पर पतंजलि योगा की योगाचार्य टीकर जया बहन व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखे।